विप्र कला-वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय

जी. ई. रोड, रायपुर (छ.ग.)

"विप्रारोह"

Monthly E-Bulletin April-July 2023

पंजीयन क्र. 17951

मासिक अंक अप्रैल-जुलाई २०२३

सिद्धि विनायक एवं विप्र पब्लिक स्कूल स्थापना दिवस महोत्सव

10 जुलाई. छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र महाविद्यालय में सिद्धि विनायक स्थापना दिवस महोत्सव एवं विप्र पब्लिक स्कूल षष्टम स्थापना दिवस महोत्सव हर्ष –उल्लास और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मोदक अर्चन, दूब अर्चन एवं हवन –पूजन वैदिक रीति–रिवाज और मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ।
इस अवसर पर आचार्य ब्रह्चारी डॉ. इंदुभवानंद जी महाराज (प्रमुख, शंकराचार्य आश्रम बोरियाकला रायपुर) आशीर्वाद देते हुए देते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए सतत संस्कार युक्त शिक्षा प्रदान करने की बात कही। महोत्सव में ज्ञानेश शर्मा (अध्यक्ष योग आयोग छत्तीसगढ़ शासन) एवं आनंद पांडे शामिल हुए।
उपरोक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि महोत्सव में विप्र शिक्षण समिति के सदस्य , छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ जन एवं समस्त प्राध्यापक, शिक्षक सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए।

अपनी संस्कृति और सभ्यता के साथ जुड़कर आत्मनिर्भर के लिए विकास नई शिक्षा नीति का आधार-: डॉ. संजीव पराशर

महंत एवं विप्र कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में नई शिक्षा नीति के परिपेक्ष्य में शिक्षण कला पर कार्यशाला

महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय एवं विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में नई शिक्षा नीति के परिपेक्ष में शिक्षण कला विषय पर 15 जून से 24 जून तक आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन समारोह मुख्य अतिथि डॉ. संजीव पराशर (प्राध्यापक भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर), कार्यक्रम अध्यक्ष प्रमोद दुबे (सभापति नगर पालिक निगम रायपुर) विशिष्ट अतिथि अजय तिवारी (अध्यक्ष शिक्षा प्रचारक समिति), अनिल तिवारी (सचिव शिक्षा प्रचारक समिति) के गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर गुरुकुल महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संध्या गुप्ता एवं अग्रसेन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यू .एन. राजपूत विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में प्रमोद दुबे ने कहा कि अपने देश के साथ विदेश में भी अपने बौद्धिक क्षमता का परचम लहराने वाले डॉ. संजीव पराशर जैसे विषय विशेषज्ञों के माध्यम से निश्चित ही यह कार्यशाला सफल रहेगा और प्राध्यापक इसका लाभ उठाकर अपने शिक्षण कला को उन्नत करने के साथ विद्यार्थियों को निश्चित तौर पर नई शिक्षा नीति के अंतर्गत आने वाली चुनौतियों और कठिनाइयों का सामना करने योग्य बनाएंगे। अजय तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्राध्यापकों के शिक्षण कला में विकास के हर प्रयास को प्रबंध समिति पूरा सहयोग प्रदान करेगा ताकि छत्तीसगढ़ के साथ पूरे देश में रायपुर एजुकेशन हब के रूप में विकसित हो सके। विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने कहा कि रायपुर शहर के निजी महाविद्यालयों द्वारा मिलकर संयुक्त आयोजन के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में विकास के नए अवसरों को खोजना एवं अपने प्राध्यापकों को अपडेट कर नई शिक्षा नीति के अनुसार विकसित करना हमारा उद्देश्य है। महंत कॉलेज के प्राचार्य देवाशीष मुखर्जी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ. संजीव पराशर जैसे विषय विशेषज्ञों के माध्यम से यह कार्यशाला निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को प्राप्त करेगा और आने वाले सत्र में इसका लाभ निश्चित ही विद्यार्थियों को प्राप्त होगा। इसके बाद कार्यशाला के प्रथम दिवस विषय विशेषज्ञ डॉ. संजीव पराशर ने नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य भारतीय युवाओं को अपनी सभ्यता और संस्कृति के अनुरूप आत्मनिर्भर बनाना है। इस शिक्षा की शुरुआत घर में मां के द्वारा होती है। एक व्यक्ति के व्यवहार और उसके आचरण से आप पहचान सकते हैं कि उसकी मां ने उसका पालन पोषण किस प्रकार किया है। जापान और इजराइल जैसे देश से हम सीख सकते हैं कि देश में संसाधनों की कमी के बाद भी किस प्रकार आत्मनिर्भर बना जा सकता है। इन देशों की तुलना में हमारे देश या छत्तीसगढ़ राज्य में ही संसाधन की कमी नहीं है, पर ईमानदारी के साथ मेहनत करना और आत्मनिर्भर बनना यह गुण हमें सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने वेद, गीता और महाभारत कथा के उदाहरणों से समझाया कि अपने बच्चों को अपने ऐतिहासिक कहानियों के माध्यम से शिक्षित करते हुए आदर्श नागरिक बनने की शिक्षा दी जा सकती है। उनका कहना था कि शिक्षकों में धैर्य और संयम के साथ व्यक्तित्व विकास की भी बातें अपने विद्यार्थियों को शिक्षित करनी चाहिए तभी शिक्षक अपने वास्तविक गुण के साथ शैक्षणिक स्किल से जोड़ते हुए विद्यार्थी को व्यक्तित्व वान बनाने में सहायक होगा इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन महंत लक्ष्मण दास महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक प्रीतम दास द्वारा किया गया। वही आयोजन के दौरान सहायक प्राध्यापक डॉ. श्रुति तिवारी एवं डॉ. मेघा सिंह ने क्रमश: संचालन में भूमिका निभाई।

तकनीक में उन्नत होने के साथ कम्युनिकेशन स्किल, टाइम मैनेजमेंट और लीडरशिप क्वालिटी के गुण भी आवश्यक : कमोडोर अजय बिसेन

विप्र एवं दिशा कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में कंप्यूटर साइंस एवं टेक्नोलॉजी विषय पर नेशनल सेमिनार

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला ,वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय तथा दिशा कॉलेज रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में इमर्जिंग एरिया इन कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी विषय पर तीन दिवसीय नेशनल सेमीनार का उद्घाटन समारोह मुख्य अतिथि कमोडोर अजय बिसेन (भूतपूर्व नेवल ऑफिसर), कार्यक्रम के अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ. गिरीश कांत पांडे (पूर्व कुलसचिव पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय) की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित कीनोट स्पीकर एवं विषय विशेषज्ञ मनीष दुबे (आईटी एडवाइजर तथा क्लाउड एक्सपर्ट जॉर्जिया अमेरिका) थे।

कमोडोर अजय बिसेन ने इस अवसर पर कहा कि आज से 20 वर्ष बाद क्लास रूम का अर्थ बदल जाएगा। छात्र कहीं भी, किसी भी विषय में विश्व के किसी भी टीचर का लेक्चर सुन सकता है। इसके लिए कॉलेज टीचर को तकनीकी रूप से उन्नत होने की आवश्यकता है। साथ ही टीचर और छात्रों में तकनीकी योग्यता के साथ–साथ कम्युनिकेशन स्किल ,टाइम मैनेजमेंट और लीडरशिप क्वालिटी कभी होना आवश्यक है । आपने सेमिनार में 3 दिन सब कुछ सुना, परंतु उसमें से कुछ भी आपने अपने जीवन में उपयोग नहीं किया, तो सेमिनार का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। परंतु आपने जो 3 दिन जो सुना, उसमें से कुछ चीजों को आपने याद रखा और अपने डेवलपमेंट में उपयोग किया तो यह सेमिनार आपके लिए सार्थक होगा।

इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. गिरीश कांत पांडे ने कहा कि कंप्यूटर आज हर क्षेत्र और हर कार्य में सहायक है इसके बिना कोई भी कार्य की पूर्णता संभव नहीं है। परंतु आज अंग्रेजी के साथ टेक्नोलॉजी से जुड़ने पर यह समुद्र जैसा विशाल है। अन्य भाषा के साथ तकनीकी से जुड़ने पर यह एक तालाब के अलावा कुछ नहीं है। टेक्नोलॉजी के ज्ञान के साथ आज इसकी विश्वसनीयता भी जरूरी है। इस दिशा में नवीन शोध की आवश्यकता है। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि 26 से 28 जून तक आयोजित नेशनल सेमिनार का संयुक्त आयोजन होने के कारण दोनों कॉलेज के साथ–साथ अधिक से अधिक संख्या में लोगों को लाभ मिलेगा साथ ही अपने अनुभव और ज्ञान का आपस में साझा करने से विद्यार्थियों के लिए शिक्षक अपने ज्ञान के भंडार में वृद्धि कर पाएंगे। दिशा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल तिवारी ने कहा कि इस पृथ्वी पर ज्ञान से पवित्र कुछ नहीं है। ज्ञान की भूख हमेशा बने रहना चाहिए और इसके साथ ज्ञान का उपयोग अपने कार्यों में करने से मानव जीवन सार्थक होता है।

इसके बाद प्रथम तकनीकी सत्र में मनीष दुबे ने अपने व्याख्यान में बताया कि क्लाउड कंप्यूटिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग एक प्रकार का स्टोरेज डिवाइस है ,जो क्लाउड के पैटर्न में काम करता है। इसका सबसे बड़ा एडवांटेज यह है, कि इसको हम बिजनेस इन फर्स्ट स्ट्रक्चर मैनेजमेंट के साथ कनेक्ट कर सकते हैं। क्लाउड कंप्यूटर में कमी यह है कि इसको लोड बैलेंसिंग की सिक्योरिटी नहीं होती। क्लाउड कंप्यूटिंग विभिन्न प्रकार के होते हैं इंफ्रास्ट्रक्चर बेस्ट क्लाउड,प्लेटफॉर्म एस ए सर्विस, सॉफ्टवेयर बेस क्लाउड.।

इसके बाद उन्होंने क्लाउड की सहायता से इंफार्मेशन को अधिक समय तक स्टोर करने और कहाँ से एक्सेस करने के तरीके बताएं।

द्वितीय तकनीकी सत्र में महाराजा अग्रसेन कॉलेज के सहायक प्राध्यापक आराधना दीवान ने अपने व्याख्यान में बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से हम हेल्थ के मामले में बहुत प्रगति कर गए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से हम हार्ट में होने वाली डीसी स्कोर पहले ही रोक सकते हैं। हार्ट के रिस्क फैक्टर बहुत कम हो गए हैं आजकल मशीन हर तरह की बीमारियों को पकड़ने में सक्षम है।

हेल्थ के मामले में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बहुत प्रगति कर गया है जिससे हम कुछ ही मिनटों में शरीर के अंदर समस्या को पकड़ सकते हैं। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक काम करता है इसको हम रोबोट की सहायता से कनेक्ट करते हुए प्रयोग में लाते हैं। तकनीकी सत्र का संचालन संयोजक मोहित श्रीवास्तव ने किया। इसके पूर्व उद्घाटन समारोह का संचालन डॉक्टर दिव्या शर्मा ने किया ।

द्वितीय दिवस प्रथम सत्र में सुनील कुमार देवांगन द्वारा प्रिंसिपल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग विषय पर एवं द्वितीय सत्र में पारुल दुबे (सहायक प्राध्यापक रायसोनी महाविद्यालय नागपुर) द्वारा क्लाउड कंप्यूटिंग विषय पर सारगर्भित एवं शोधपरक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

सुनील कुमार देवांगन ने बताया कि ए.आई. मतलब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, यह एक प्रकार का रोबोटिक है, जो मनुष्य की कार्य प्रगति को और तेज करता है। एआई के विभिन्न प्रकार होते हैं जैसे सुपरवाइज्ड ओर अनसुपरवाइज्ड ।

सुपरवाइज्ड एआई में हम डाटा को एक संग्रहीत रूप में स्टोर करते हुए फ्यूचर में कभी भी प्रयोग में ला सकते हैं।

उदाहरण गूगल पर कोई डाटा सर्च करें तो उस से रिलेटेड और भी डाटा प्राप्त होते हैं। और अनसुपरवाइज्ड में डाटा तुरंत यूज़ हो और तुरंत उसको फिनिश करें, उदाहरण कोई ओटीपी वाला कार्य।

एआई का प्रयोग विभिन्न प्रकार में किया जाता है ,आजकल हर एक चीज में मानव जीवन को आसान बनाने के लिए एआई का प्रयोग करती जा रही है। जैसे हम मोबाइल में बिना बटन दबाएं सिर्फ बोलकर कॉल कनेक्ट कर सकते हैं।

दूसरे सत्र में पारुल दुबे ने बताया कि डाटा को स्टोर व डाटा का प्रयोग हम क्लाउड के माध्यम से कर सकते हैं। आज की जनरेशन के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग की जानकारी रखना बहुत जरूरी है।

आज हर एक डाटा क्लाउड बेस्ड होता जा रहा है, ए.डब्ल्यू. एस. क्लाउड का एक विभिन्न रूप है।

28 जून को तीन दिवसीय नेशनल सेमिनार का समापन समारोह मुख्य अतिथि प्रो. पीयूष कांत पांडे (वाइस चांसलर एमिटी यूनिवर्सिटी रायपुर) के गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रोफेसर पीयूष कांत पांडे ने बताया कि कंप्यूटर साइंस आज मानव जीवन के लिए वरदान साबित हो रहा है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे नवीन तकनीक से चीजें आसान एवं एडवांस हो गई है। आज पूरे विश्व में भारत के कंप्यूटर साइंस के स्टूडेंट अपना लोहा मनवा रहे हैं। इस स्थिति में इस प्रकार के सेमिनार निश्चित तौर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों को कंप्यूटर साइंस के नए आयामों से परिचित करायेगा, जो उनके भविष्य के लिए अत्यंत लाभकारी होगा। इसके पूर्व दिशा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल तिवारी ने सेमिनार का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि तीन दिवसीय सेमिनार के तीनो दिवस विषय विशेषज्ञों के शोध एवं सारगर्भित व्याख्यान सुनने को मिले, जिसका लाभ आने वाले समय में निश्चित तौर पर उपस्थित समस्त प्राध्यापक शोधार्थी एवं छात्रों को प्राप्त होगा। इसके बाद मुख्य अतिथि प्रो. पीयूष कांत पांडे ने समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया। अंत में आभार प्रदर्शन करते हुए विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने इस प्रकार के संयुक्त आयोजन को आवश्यक बताते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर विकसित होते नवीन तकनीक से परिचित होने के लिए एक दूसरे का सहयोग करते हुए प्राध्यापक अपडेट रहे, तो विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति के अंतर्गत शिक्षित करने में समर्थ हो सकते हैं। समापन समारोह का संचालन डॉ. दिव्या शर्मा ने किया ।

इसके पूर्व सेमिनार के तीसरे दिन डॉ. दीपक कुमार देवांगन ने डीप लर्निंग टेक्निक विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि डीप लर्निंग एक प्रकार का लोंगलिस्ट रूल है ,जो वातावरण को चेंज भी कर सकता है किसकी सहायता से हम छोटे और बड़े दांतों को एक साथ कलेक्शन करते हुए प्रयोग में ला सकते हैं। इसका दुष्प्रभाव यह है कि हम इसको व्यवहारिक रूप में प्रयोग नहीं कर सकते। जब इसमें कोई त्रुटि आती है तो उसको ढूंढने में बहुत समय लगता है।

दूसरे सत्र में डॉ. आशीष कुमार ताम्रकार भिलाई ने मशीन लर्निंग के माध्यम से किसी भी मॉडल किसी भी प्रक्रिया को तेजी से करने की टेक्निक बताई। उन्होंने यह भी बताया कि हम मशीन लर्निंग के माध्यम से अपने पड़ोसी की जानकारी भी रख सकते हैं। तकनीकी सत्र का संचालन संयोजक मोहित श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर दोनों महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, प्रतिभागियों सहित बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वैश्वीकरण युग की आज पहली आवश्यकता : डॉ. सैयद शकील अहमद

विप्र कॉलेज में नैक पियर टीम का विजिट एग्जिट मीटिंग के साथ पूर्ण

रायपुर.7 जुलाई. छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की टीम द्वारा 6 व 7 जुलाई को निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के समस्त विभाग एवं संसाधनों का मूल्यांकन किया। नैक टीम के सदस्य चेयर पर्सन डॉ. सैयद शकील अहमद (डीन फैकल्टी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मैसूर विश्वविद्यालय कर्नाटक) एवं कोर्डिनेटर डॉ. विवेक कोहली (प्राचार्य सोहन लाल डीएवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन अंबाला हरियाणा) ने समस्त विभागों के निरीक्षण के अंतर्गत प्राध्यापकों के शैक्षणिक स्तर का मूल्यांकन, प्रयोगशाला एवं महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं का आंकलन किया। इसके साथ भूतपूर्व विद्यार्थियों, पालको ,सोसायटी के सदस्यों एवं महाविद्यालय के वर्तमान विद्यार्थियों के साथ अलग–अलग मीटिंग करके महाविद्यालय के गतिविधियों का आंकलन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ी लोकगीत एवं सुआ ,कर्मा लोक नृत्य के माध्यम से छत्तीसगढ़ी संस्कृति का झलक महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया। शारीरिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने योग पर आधारित नृत्य प्रस्तुत कर सबको अचंभित कर दिया। दूसरे दिवस एग्जिट मीटिंग के बाद नेक टीम का विजिट पूर्ण हुआ। इस अवसर पर चेयर पर्सन डॉ. सैयद शकील अहमद ने विप्र कॉलेज के शैक्षणिक गुणवत्ता में विकास के लिए सुझाव देते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षण आज वैश्वीकरण युग की पहली आवश्यकता है । द्वितीय विश्व युद्ध के समय गरीबी अधिक थी। ज्ञान में वृद्धि के साथ कौशलता और योग्यता में विकास के बाद लोगों की आय में वृद्धि हुआ और गरीबी कम हुआ। ज्ञान से आर्थिक ,सामाजिक और अध्यात्मिक विकास संभव है । नैक टीम की विजिट नए अवसरों और नए विचार से अवगत करा कर शिक्षण कला में विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए प्राध्यापकों का मार्गदर्शन करता है। जिससे विद्यार्थियों में कौशलता और उद्यमिता का विकास आप कर सकते हैं और उनका भविष्य निर्माण कर सकते हैं।

डॉ. विवेक कोहली इस अवसर पर शिक्षकों को अपने उत्तरदायित्व का बोध कराते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होता है। इसलिए हमें अपने दायित्व को समझना चाहिए और अपने स्तर में निरंतर वृद्धि का प्रयास करते हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य अपने शिक्षण कला के माध्यम से करना चाहिए। इसके पूर्व प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने डॉ. सैयद शकील अहमद का परिचय देते हुए कहा कि ज्ञान के सागर आदरणीय डॉ. सैयद शकील अहमद की सहजता और सरलता के साथ प्रदान किए गए मार्गदर्शन निश्चित ही महाविद्यालय के शैक्षणिक स्तर के विकास में सहायक होंगे। डॉ. दिव्या शर्मा ने डॉ. विवेक कोहली का परिचय देते हुए बताया कि अत्यंत सौम्यता और शालीनता के साथ कदम–कदम पर छोटी छोटी चीजों में सुधार के लिए जो सुझाव दिए, वह निश्चित ही महाविद्यालय के स्तर में वृद्धि में सहायक होंगे ।

इस अवसर पर शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा सहित प्रबंध समिति के समस्त सदस्य एवं सोसाइटी के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

विप्र कॉलेज को नैक से बी ग्रेड प्राप्त

20 जुलाई. छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की टीम द्वारा 6 व 7 जुलाई को निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के समस्त विभाग एवं संसाधनों का मूल्यांकन नैक टीम के सदस्य चेयर पर्सन डॉ. सैयद शकील अहमद (डीन फैकल्टी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मैसूर विश्वविद्यालय कर्नाटक) एवं कोर्डिनेटर डॉ. विवेक कोहली (प्राचार्य सोहन लाल डीएवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन अंबाला हरियाणा) द्वारा किया गया था।

इसके उपरांत नैक द्वारा विप्र कॉलेज को द्वितीय चरण में 2.5 स्कोर के साथ बी ग्रेड प्रदान किया गया है। विप्र शिक्षण समिति के प्रमुख ज्ञानेश शर्मा (अध्यक्ष योग आयोग छत्तीसगढ़ शासन) ने इस अवसर पर कहा कि न्यूनतम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण कार्य है और कोरोना महामारी के उपरांत नई कठिनाइयों का सामना करते हुए विप्र कॉलेज द्वारा बी ग्रेड प्राप्त करना संतोषजनक है। नैक टीम द्वारा प्राप्त मार्गदर्शन महाविद्यालय के विकास में सहायक होंगे एवं भविष्य में ग्रेड वृद्धि के साथ शिक्षा के गुणवत्ता में भी सुधार होगा। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि प्रथम चरण में विप्र कॉलेज को 2.73 के साथ बी प्लस ग्रेड मिला था। जिसमें सिर्फ शिक्षा विभाग का मूल्यांकन करवाया गया था। द्वितीय चरण में सभी विभाग सहित महाविद्यालय का निरीक्षण हुआ।

विप्र कॉलेज में ग्रीष्मकालीन योग एवं बास्केटबॉल व वॉलीबॉल प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

रायपुर 6 जून छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में ग्रीष्मकालीन योग शिविर एवं बास्केटबॉल व वालीबॉल प्रशिक्षण शिविर 5 जून से प्रारंभ हुआ। यह शिविर 19 जून तक विप्र कॉलेज के प्रांगण एवं मैदान में संचालित होगा। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विप्र कॉलेज के हरियाली से युक्त परिसर में योग शिविर एवं विभिन्न खेल प्रशिक्षण शिविर के श्रृंखला में इस वर्ष बास्केटबॉल एवं वालीबॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। योगाचार्य संजू कश्यप सुबह 7:00 से 8:00 योग का प्रशिक्षण दे रहे हैं। सुबह 6:30 से 8:00 बजे तक बास्केटबॉल एवं वालीबॉल प्रशिक्षण शिविर ज्ञानेंद्र भाई के निर्देशन में संचालित हो रहा है। उपयुक्त शिविरों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं।

महाविद्यालय की गतिविधियाँ बनी दैनिक अखबारों की सुर्खियाँ

मूल्यांकन याद दिलाता है शिक्षकों को जिम्मेदारी

रायपुर। मूल्यांकन के लिए विप्र कॉलेज पहुंची नैक टीम ने प्राध्यापकों से टीचिंग टेक्निक सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। टीम में साइंस एंड टेक्नोलॉजी मैसूर विवि कर्नाटक के डॉ. सैयद अकिल अहमद और सोहन लाल डीएवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन अंबाला हरियाणा के प्राचार्य डॉ. विवेक कोहली शामिल थे। डॉ. सैयद अकील अहमद ने विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को सुझाव देते हुए कहा, शिक्षा की गुणवत्ता इस युग की सबसे पहली आवश्यकता है। द्वितीय विश्व युद्ध के समय गरीबी अधिक थी। ज्ञान की वृद्धि से कौशल और योग्यता में विकास होने से ही लोगों के आय में बढ़ोतरी होती है। ज्ञान से ही आर्थिक, सामाजिक और अध्यात्मिक विकास संभव है। नैक मूल्यांकन प्राध्यापकों को शिक्षा के क्षेत्र में नए विचारों से अवगत कराता है। इससे ही विद्यार्थियों में कौशल विकास के साथ बेहतर भविष्य का निर्माण होता है।

शिक्षक होता है राष्ट्र निर्माता

वहीं डॉ. विवेक कोहली ने कहा, नैक मूल्यांकन शिक्षकों को अपने जवाबदारी का बोध कराता है। शिक्षक ही राष्ट्र निर्माता होता है। शिक्षकों को अपने-अपने स्तर में विद्यार्थियों के विकास के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, छात्र सहित स्टाफ मौजूद रहे। प्राचार्य मेघेश तिवारी ने कहा कि जिन चीजों में सुधार के लिए सुझाव दिए गए हैं, वो महाविद्यालय के विकास में सहायक होंगे। वे इसके लिए कोशिश करेंगे।

दूसरे सायकल के लिए नैक पियर टीम ने किया विजिट

रायपुर, 7 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की टीम द्वारा 6 व 7 जुलाई को निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आज प्रथम दिवस महाविद्यालय के समस्त विभाग एवं संसाधनों का मूल्यांकन किया गया। नैक टीम के सदस्य चेयर पर्सन डॉ. सैयद अखिल अहमद पूर्व कुलपति (डीन फैकल्टी ऑफ साईंस एंड टेक्नोलॉजी मैसूर विश्वविद्यालय कर्नाटक) एवं कोऑर्डिनेटर डॉ. विवेक कोहली (प्राचार्य सोहन लाल डीएवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन अंबाला हरियाणा) ने समस्त विभागों के निरीक्षण के अंतर्गत प्राध्यापकों के शैक्षणिक स्तर का मूल्यांकन, प्रयोगशाला एवं महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं का आंकलन किया। इसके साथ भूतपूर्व विद्यार्थियों, पालकों ,सोसायटी के सदस्यों एवं महाविद्यालय के वर्तमान विद्यार्थियों के साथ अलग-अलग बैठक करके महाविद्यालय के गतिविधियों का आंकलन किया।

यह जानकारी देते हुए विप्र महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मेघेश तिवारी ने कहा 2014 में नैक ने पहली बार महाविद्यालय का निरीक्षण परीक्षण किया था। जिसके उपरांत बी प्लस ग्रेड मिला था।महाविद्यालय ने नियमानुसार दूसरे चरण के लिए फरवरी 2023 में नैक की समस्त नियमों को पूर्ण किया जिसके परिप्रेक्ष्य में नैक पियर टीम ने महाविद्यालय के उपलब्ध संसाधनों व अकादमिक, क्रीड़ा व अन्य उपलब्धि का निरीक्षण परीक्षण किया। इसके उपरांत अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ी लोकगीत एवं सुआ ,कर्मा लोक नृत्य के माध्यम से छत्तीसगढ़ी संस्कृति का झलक महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया। शारीरिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने योग पर आधारित नृत्य प्रस्तुत कर सबको अचंभित कर दिया। अंत में प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि नैक पियर टीम के सदस्य डॉ. सैयद अखिल अहमद एवं डॉ. विवेक कोहली के सहजता और सरलता ने सम्पूर्ण महाविद्यालय को प्रोत्साहित किया है।उनका मार्गदर्शन निश्चित ही शैक्षणिक स्तर के वृद्धि में सहायक होगा। इसके लिए महाविद्यालय परिवार उनके मार्गदर्शन को क्रियान्वित करके आभार प्रदर्शित करेगा। इस अवसर पर शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ,पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति के प्रतिनिधि के रूप में प्रो. रोहिणी प्रसाद सहित प्रबंध समिति के समस्त सदस्य सहित वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

विप्र कॉलेज को नैक के दूसरे चरण के मूल्यांकन में मिला बी ग्रेड

रायपुर, 20 जुलाई। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ने दूसरे चरण के मूल्यांकन में 2.5 स्कोर के साथ बी ग्रेड प्रदान किया है। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0मेघेश तिवारी ने बताया कि 6 व 7 जुलाई महाविद्यालय के समस्त विभाग एवं संसाधनों का मूल्यांकन नैक पियर टीम के चेयर पर्सन डॉ. सैयद शकील अहमद (पूर्व कुलपति एवं डीन फैकल्टी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मैसूर विश्वविद्यालय कर्नाटक) एवं कोऑर्डिनेटर डॉ. विवेक कोहली (प्राचार्य सोहन लाल डीएवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन अंबाला हरियाणा) द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर नैक की स्टैंडिंग कमेटी के अनुमोदन पर नैक ने घोषित किया है। विप्र शिक्षण समिति के प्रमुख ज्ञानेश शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि न्यूनतम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण कार्य है। और कोरोना महामारी के उपरांत नई कठिनाइयों का सामना करते हुए विप्र कॉलेज द्वारा बी ग्रेड प्राप्त करना संतोषजनक है। नैक टीम द्वारा प्राप्त मार्गदर्शन महाविद्यालय के विकास में सहायक होंगे एवं भविष्य में ग्रेड वृद्धि के साथ शिक्षा के गुणवत्ता में भी सुधार होगा।उपरोक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि नैक के प्रथम चरण में विप्र कॉलेज के शिक्षा विभाग को 2.73 के साथ बी प्लस ग्रेड मिला था। द्वितीय चरण में विप्र महाविद्यालय के सम्पूर्ण विभाग का नैक मूल्यांकन किया गया है।विप्र महाविद्यालय शिक्षण समिति के सदस्यों ने भविष्य में और अच्छा प्रदर्शन की कामना करते हुए महाविद्यालय परिवार को बधाई प्रेषित किया है।

न्यूज डायरी

विप्र कॉलेज में नैक पियर टीम ने किया विजिट

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की टीम द्वारा 6 व 7 जुलाई को निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम दिवस महाविद्यालय के समस्त विभाग एवं संसाधनों का मूल्यांकन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि नैक टीम के सदस्य चेयरपर्सन डॉ. सैयद अखिल अहमद पूर्व कुलपति (डीन फैकल्टी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मैसूर विश्वविद्यालय कर्नाटक) एवं कोऑर्डिनेटर डॉ. विवेक कोहली (प्राचार्य सोहन लाल डीएवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन अंबाला हरियाणा) हैं। उन्होंने ने समस्त विभागों के निरीक्षण के अंतर्गत प्राध्यापकों के शैक्षणिक स्तर का मूल्यांकन, प्रयोगशाला एवं महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं का आंकलन किया। इसके साथ भूतपूर्व विद्यार्थियों, पालकों, सोसायटी के सदस्यों एवं महाविद्यालय के वर्तमान विद्यार्थियों के साथ अलग-अलग बैठक करके महाविद्यालय के गतिविधियों का आंकलन किया। इस अवसर पर शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, प्रबंध समिति के समस्त सदस्य उपस्थित थे।

दूसरे चरण का हो रहा मूल्यांकन :- यह जानकारी देते हुए विप्र महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने कहा 2014 में नैक ने पहली बार महाविद्यालय का निरीक्षण परीक्षण किया था। जिसके उपरांत बी प्लस ग्रेड मिला था। महाविद्यालय ने नियमानुसार दूसरे चरण के लिए फरवरी 2023 में नैक की समस्त नियमों को पूर्ण किया जिसके परिप्रेक्ष्य में नैक पियर टीम ने महाविद्यालय के उपलब्ध संसाधनों व अकादमिक, क्रीड़ा व अन्य उपलब्धि का निरीक्षण परीक्षण किया।

नेशनल किकबॉक्सिंग में छत्तीसगढ़ को 12 स्वर्ण

रायपुर। पंजाब के जालंधर में स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में संपन्न हुए राष्ट्रीय सीनियर किकबॉक्सिंग स्पर्धा में छत्तीसगढ़ ने 12 स्वर्ण पदक जीतकर देश में चौथा स्थान हासिल कर लिया।

इस स्पर्धा में भाग लेने के लिए छत्तीसगढ़ से 52 खिलाड़ियों का दल गया था। राज्य एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश

नवभारत

छत्तीसगढ़ • ओडिशा

Rajdhani - 08 Jul 2023 - 08raj5
epaper.navabharat.news

गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वैश्वीकरण युग की पहली आवश्यकता : प्रो. अहमद

विप्र कॉलेज में नैक पियर टीम का विजिट एग्जिट मीटिंग के साथ पूर्ण

नवभारत ब्यूरो । रायपुर।

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की टीम द्वारा 6 व 7 जुलाई को निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के समस्त विभाग एवं संसाधनों का मूल्यांकन किया गया। इस अवसर पर चेयरपर्सन डॉ. सैयद अकील अहमद ने विप्र कॉलेज के शैक्षणिक गुणवत्ता में विकास के लिए सुझाव देते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षण आज वैश्वीकरण युग की पहली आवश्यकता है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि नैक टीम के सदस्य चेयरपर्सन डॉ. सैयद अकिल अहमद एवं कोऑर्डिनेटर डॉ. विवेक कोहली ने समस्त विभागों का निरीक्षण किया। इसके अंतर्गत प्राध्यापकों के शैक्षणिक स्तर का मूल्यांकन, प्रयोगशाला एवं महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं को देखा। भूतपूर्व विद्यार्थियों, पालकों, सोसायटी के सदस्यों एवं महाविद्यालय के वर्तमान विद्यार्थियों के साथ अलग-अलग बैठक की। इस तरह महाविद्यालय की गतिविधियों के आकलन के दूसरे दिवस एग्जिट मीटिंग के बाद नेक टीम का विजिट पूर्ण हुआ। इस अवसर पर शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा सहित प्रबंध समिति के समस्त सदस्य एवं सोसायटी के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे। डॉ. विवेक कोहली ने इस अवसर पर शिक्षकों को अपने उत्तरदायित्व का बोध कराते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होता है। इसलिए हमें अपने दायित्व को समझना चाहिए और अपने स्तर में निरंतर वृद्धि का प्रयास करते हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य अपने शिक्षण कला के माध्यम से करना चाहिए। इसके पूर्व प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने डॉ. सैयद शकील अहमद का परिचय देते हुए कहा कि डॉ. अहमद की सहजता और सरलता के साथ प्रदान किए गए मार्गदर्शन निश्चित ही महाविद्यालय के शैक्षणिक स्तर के विकास में सहायक होंगे। डॉ. दिव्या शर्मा ने डॉ. विवेक कोहली का परिचय दिया।

नवभारत my city

विप्र कॉलेज को नैक के दूसरे चरण में मिला बी ग्रेड

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ने दूसरे चरण के मूल्यांकन में 2.5 स्कोर के साथ बी ग्रेड प्रदान किया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि 6 व 7 जुलाई को महाविद्यालय के समस्त विभाग एवं संसाधनों का मूल्यांकन नैक पियर टीम के चेयरपर्सन पूर्व कुलपति एवं फैकल्टी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मैसूर विश्वविद्यालय के डीन डॉ. सैयद शकील अहमद एवं कोऑर्डिनेटर सोहन लाल डीएवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन अंबाला हरियाणा के प्राचार्य डॉ. विवेक कोहली ने किया।

विप्र कॉलेज को नैक के दूसरे चरण के मूल्यांकन में मिला बी ग्रेड

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ने दूसरे चरण के मूल्यांकन में 2.5 स्कोर के साथ बी ग्रेड प्रदान किया है।

यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0मेघेश तिवारी ने बताया कि 6 व 7 जुलाई महाविद्यालय के समस्त विभाग एवं संसाधनों का मूल्यांकन नैक पियर टीम के चेयर पर्सन डॉ. सैयद शकील अहमद (पूर्व कुलपति एवं डीन फैकल्टी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मैसूर विश्वविद्यालय कर्नाटक) एवं कोऑर्डिनेटर डॉ. विवेक कोहली (प्राचार्य सोहन लाल डीएवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन अंबाला हरियाणा) द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर नैक की स्टैंडिंग कमेटी के अनुमोदन पर नैक ने घोषित किया है।

विप्र शिक्षण समिति के प्रमुख ज्ञानेश शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि न्यूनतम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण कार्य है। और कोरोना महामारी के उपरांत नई कठिनाइयों का सामना करते हुए विप्र कॉलेज द्वारा बी ग्रेड प्राप्त करना संतोषजनक है। नैक टीम द्वारा प्राप्त मार्गदर्शन महाविद्यालय के विकास में सहायक होंगे एवं भविष्य में ग्रेड वृद्धि के साथ शिक्षा के गुणवत्ता में भी सुधार होगा।उपरोक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि नैक के प्रथम चरण में विप्र कॉलेज के शिक्षा विभाग को 2.73 के साथ बी प्लस ग्रेड मिला था। द्वितीय चरण में विप्र महाविद्यालय के सम्पूर्ण विभाग का नैक मूल्यांकन किया गया है।विप्र महाविद्यालय शिक्षण समिति के सदस्यों ने भविष्य में और अच्छा प्रदर्शन की कामना करते हुए महाविद्यालय परिवार को बधाई प्रेषित किया है।

विप्र कॉलेज में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर शुरू

रायपुर@ पत्रिका. विप्र कला, वाणिज्य और शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में ग्रीष्मकालीन शिविर का मंगलवार को आगाज हो गया। इस शिविर में योग, बॉस्केटबॉल व वालीबॉल प्रशिक्षण निशुल्क दिया जा रहा है। यह शिविर 21 जून तक विप्र कॉलेज के मैदान में संचालित होगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि इस वर्ष भी विप्र कॉलेज के परिसर में योग और बॉस्केटबॉल व वालीबॉल खेलों के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। योगाचार्य संजू कश्यप सुबह 7 से 8 बजे योग का प्रशिक्षण दे रहे हैं। वहीं, प्रशिक्षक ज्ञानेंद्र के निर्देश पर सुबह 6.30 से 8 बजे तक बॉस्केटबॉल व वालीबॉल का प्रशिक्षण शिविर संचालित हो रहा है। शिविर में हिस्सा लेने के लिए इच्छुक आमजन व छात्र आयोजन स्थल पर जाकर पंजीयन करा सकते हैं।

'B' GRADE ACCREDITED BY NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL (NAAC) (10TH DEC' 2014 TO 09TH DEC' 2019)
Recognised by Higher Education, UGC and NCTE and Permanently Afiliated to Pt. Ravishankar Shukla, Raipur (C.G.)
✿ COMMERCE ✿ MANAGEMENT ✿ SCIENCE ✿ COMPUTER ✿ EDUCATION ✿ PHYSICAL EDUCATION ✿ YOGA
E-mail : vipracollge1996@gmail.com, Visit us : www.vipracollege.org
संपादक मण्डल :- डॉ. विवेक कुमार शर्मा, श्रीमती प्रणिता शर्मा, डॉ. कंचन मिश्रा, श्रीमती अपूर्वा शर्मा
विशेष सहयोग : एलुमनी एसोसिएशन, विप्र महाविद्यालय रायपुर